इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

स्वर्ण खप्पर लक्ष्मी साधना - दीक्षा

10 मई, अक्षय तृतीया

व्यक्ति के जीवन में इतनी अधिक **विषमताएं** उत्पन्न हो चुकी है कि जीवन यापन हेतु निरन्तर धन की आवश्यकता पड़ती है, बिना धन के तो वह समाज में अपनी **प्रतिष्ठा** व **सम्मान** स्थापित कर ही नहीं सकता। शंकराचार्य कृत **'लक्ष्म्योत्मा साधना'** जो धन वर्षा कराने में **सक्षम** है। यह साधना अत्यन्त **सरल, सटीक** तथा **शीघ्र प्रभाव** देने वाली कही गई है, तो अवश्य ही **सफलता** प्राप्त होती है। केवल मात्र **अक्षय तृतीया पर्व** पर **लक्ष्म्योत्मा दीक्षा** ग्रहण करने से **अक्षय रूप** में निरन्तर लक्ष्मी की प्राप्ति होती रहती है।

तंत्र दोष निवारक ब्रजेश्वरी साधनाः

19 मई, मोहिनी एकादशी

हर व्यक्ति के जीवन में **शत्रु** तथा **तंत्र बाधा** होते ही हैं। चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो, किसी भी **वर्ण** या **सम्प्रदाय** का हो, ऐसा कोई व्यक्ति नहीं, जिसका कोई शत्रु न हो और जीवन में **श्रेष्ठता** और **अद्वितीयता** प्राप्त करने के लिए उनका **विनाश** व **तंत्र बाधा निवारण** भी आवश्यक है। एक ऐसी **अद्वितीय साधना**, जो **शत्रुओं** पर वज्र की तरह टूट कर उनका **समूल विनाश** करने और हर तरह के **तंत्र नाश** में **सक्षम** है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह **साधना** महत्वपूर्ण है।

तृतीय नेत्र जागरण एवं भूत-भविष्य दर्शन सिद्धि प्रयोगः

20 मई, सोम प्रदोष व्रत

तृतीय नेत्र जागरण यह कोई **सामान्य घटना** नहीं है, यह एक **अलौकिक घटना** है, सामने वाले का भी **भूत-भविष्य** एक **चलचित्र** की तरह हमारे सामने साकार हो उठता है और यह घटना घटती है जब **गुरु** अत्यधिक **प्रसन्न** होते हैं, आप भी अपने जीवन को इस **सौभाग्य** से युक्त करिये, इस **अद्वितीय, दुर्लभ साधना** के माध्यम से। जिससे साधक **जीवन के हर मोड़** में **सफलता** प्राप्त कर सके।

बटुक भैरव प्रयोगः

30 मई, कालाष्टमी

भैरव को **भगवान शिव** का ही एक रूप माना गया है। **बावन भैरवों** में **बटुक भैरव** की साधना **सर्वाधिक फलदायी** मानी गई है। **बटुक भैरव** की साधना मुख्यतः इन कारणों से की जाती है-**मुकदमें में विजय प्राप्ति के लिए, पूर्ण पौरुषता प्राप्ति के लिए, शत्रुओं को निष्प्रभावी करने हेतु**। इसके अलावा **बटुक भैरव** निरन्तर एक **रक्षक की भांति** साधक की हर आसन्न संकट से **रक्षा** भी करते रहते हैं, जिसका कि साधक को आभास तक नहीं होता और इस प्रकार यह **'अकाल मृत्यु निवारण प्रयोग'** भी है।

कृष्ण सौन्दर्य आकर्षण प्रयोगः

02 जून, अपरा एकादशी

किसी भी व्यक्ति का चेहरा उसके **व्यक्तित्व** का दर्पण होता है। यदि आपके मुख पर **तेजस्विता** है **आकर्षण** है, तो स्वतः सामने वाला व्यक्ति आप से **प्रभावित** होगा ही। शरीर यदि **दुर्बल** भी हो, परन्तु यदि मुख पर **आभा** है, **सौन्दर्य** है तो कोई भी आप से बात करने को **लालायित** होता है और **सौन्दर्य** तो भीतर और बाहरी दोनों ही होना चाहिये एक बार **कृष्ण सौन्दर्य आकर्षण प्रयोग** को अवश्य ही करके देखिये।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।